मैया थारो कानुडो,
घणो ऐ बदमाश,
माखन की फोड़े माटकी।।

ए गुजरी कानुड़ो,
सुतो छ मेहला माय,
मत देवे झूठा ओलबा,
मैया थारो कानुड़ो,
घणो ऐ बदमाश,
माखन की फोड़े माटकी।।

मैया हमारी कान्हा का,
बांधा दोनों हाथ,
पैरा में घाली सांखलाया,
मैया थारो कानुड़ो,
घणो ऐ बदमाश,
माखन की फोड़े माटकी।।

जसोदा नंदलाला ने,
दिनी रे आवाज,
आंगण में बाजा घुघरा,
मैया थारो कानुड़ो,
घणो ऐ बदमाश,
माखन की फोड़े माटकी।।

ऐ गुजरी आज बाद,
मत लीजो झूठों नाम,
मत आजो मारे बारने,
मैया थारो कानुड़ो,
घणो ऐ बदमाश,
माखन की फोड़े माटकी।।

ए कान्हा थारा भजन,
मंडली करें गुणगान,
थे पार लगा दीजिए नावड़ी,
मैया थारो कानुड़ो,
घणो ऐ बदमाश,
माखन की फोड़े माटकी।।

मैया थारो कानुडो,
घणो ऐ बदमाश,
माखन की फोड़े माटकी।।

प्रेषक सुभाष सारस्वत काकड़ा।
9024909170

Source: https://www.bharattemples.com/maiya-tharo-kanudo-ghano-badmash/

Complete Bhajans Collections - Download Free Android App
https://play.google.com/store/apps/details?id=com.numetive.bhajans

Facebook: https://www.facebook.com/bharattemples/
Telegram: https://t.me/bharattemples
Youtube: https://www.youtube.com/channel/UC24oJCxZJyhhKzSUD-Lt9Tw